

प्रश्नावली के गुण (Merits of Questionnaire) => पाँच अक्षर

प्रश्नपत्र से सम्बन्धित क्षेत्र बहुत बड़ा श्रमसाध्य व्यापक होता है तो प्रश्नावली के आलेखक किसी भी दूसरी प्रविधि के द्वारा तथ्यों का संग्रह करना बहुत कठिन हो जाता है। इस दृष्टिकोण से इसकी गुण इस प्रकार हैं-

- 1) व्यापक क्षेत्र का अध्ययन => इसकी सहायता से एक विस्तृत क्षेत्र का अध्ययन सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इसके फलस्वरूप इस प्रविधि की सहायता से न केवल साक्षात्कार सम्बन्धी तथ्यों को ही इकट्ठा किया जा सकता है बल्कि बहुत कम समय में और कम व्यय में अधिक सूचकांकों को प्राप्त करना भी सम्भव हो जाता है।
- 2) अध्ययन की पुनरावृत्ति सम्भव => इस प्रविधि के द्वारा एक से अधिक बार तथ्यों का संकलन करना भी सम्भव है। अतः अध्ययन प्रिय रहे होते हैं जिन्हें तथ्यों को एक बार स्क्रूटिङ कर लेना ही पर्याप्त नहीं होता। ऐसी स्थिति में यह प्रविधि अध्ययनकर्ता को कुछ व्यक्तियों से बार-बार तथ्य प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती है।
- 3) तथ्य संकलन में गतिशीलता - प्रश्नावली के द्वारा बहुत कम समय में ही अधिक सूचकांकों प्राप्त की जा सकती है। इसकी सहायता से अध्ययनकर्ता द्वारा उत्तरदाता से व्यापक सम्पर्क स्थापित करने में व्यतीत होने वाले समय को बचत कर सकता है।

4) धन और अम की वचन तथा संकल्प में यह अर्थ है इसलिए भी उपयोगी है कि इसमें बहुत कम व्यय और अम की आवश्यकता होती है। इसके अंतर्गत मुख्य व्यय केवल प्रश्नपत्र की हप गैर और डाक से सम्बन्धित होता है। अध्यापक को स्वस्थान पर रहकर ही सम्पूर्ण अध्यापन की सरलता से व्यवस्था कर सकता है।

5) परामर्श सूचनाओं की सम्भारना ⇒ प्रश्नपत्र की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसके अन्तर्गत उत्तरदाताओं की स्वार्थ पूर्णता आसानी से होती है। उत्तरदाता को भी सूचना के समय इस बात के प्रति आशंकित रहना है कि अध्यापक को ठीक व्यवहार रूप से नहीं जानता तथा उसे वे द्वारा दी गयी सूचनाएँ सुनी जा सकेंगी।

6) उत्तरदाता के लिए सुविधापूर्ण ⇒ उत्तरदाताओं के हितों को भी प्रश्नपत्र अथवा उपदेशों की तुलना में अधिक सरल उपदेश है, एक उत्तरदाता जब उत्तर द्वारा प्रश्नपत्र प्राप्त करता है तो उसे उत्तर देने के लिए काफी समय मिल जाता है।

7) सांख्यिकीय विश्लेषण में सरलता ⇒ प्रश्नपत्र प्रणाली का एक महत्वपूर्ण गुण यह है कि इसके द्वारा प्राप्त तथ्यों का वर्गीकरण आसानी से तथा सांख्यिकीय विश्लेषण अधिक कुशलता से साथ किया जा सकता है।

8) उपयोग में सरलता ⇒ प्रश्नपत्र रूप में एक सरल प्रणाली है। इसके अंतर्गत उत्तरदाता को एक बार निश्चित निर्देश देना है कि क्या अध्यापक को प्रश्न की प्रतिक्रिया अध्यापक स्वयं ही देना है कि नहीं भी अम नहीं करना पड़ता।